Bihar board class 8th Geography Notes Chapter 3C

(ग) सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग

पाठ का सारांश-"कम्प्यूटर आधारित वैसी प्रविधियाँ जिनसे सूचनाओं का आदान-प्रदान शीघ्रता से होता है—सूचना प्रौद्योगिकी कहलाता है।" ऐसा सेल्यूलर टेलीकाम, अंतरिक्ष में भेजे गये उपग्रह, कम्प्यूटर, पेजर, प्रिंटर इत्यादि के कारण संभव हो पाया है। सूचना-प्रौद्योगिकी में हो रहे निरंतर शोध-अनुसंधान ने लोगों की जीवन-शैली में क्रांति ला दी है। सात समुंदर पार बैठे व्यक्ति से आमने-सामने बैठकर बातें करना (वीडियोकॉन्फ्रेसिंग) अब संभव हो गया है।

इतना ही नहीं सैंकड़ों मील दूर बैठे डॉक्टर अब मरीजों को सलाह ही नहीं देते, बल्कि शल्यक्रिया भी करते हैं। इन कामों के लिए रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन से भी आगे अब पेजर, लैपटाप, पामटाप, सेल्यूलर, लेजर, अंतरिक्ष उपग्रह एवं उपकरण राडार, LCD,CRT, LED, DVD तथा विभिन्न प्रकार के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर इत्यादि शामिल है। इन्हें उच्च प्रौद्योगिकी कहते हैं। ये प्रौद्योगिकी रक्षा, चिकित्सा, बैकिंग, मनोरंजन, यातायात सहित जीवन के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्राचीन काल में सूचनाएँ ताली बजाकर, आग जलाकर, पशु-पक्षियों की बोलियाँ बोलकर तथा कंदराओं पर चित्र बनाकर दिये जाते थे। पक्षियों में कबूतर विशेष भूमिका निभाता था। कागज के प्रयोग से यह पत्र के रूप में लोगों के पास संवाद पहुँचाया करता था। इसी तरह प्रौद्योगिकी के क्रमशः विकास होने से हमलोग टेलीग्राफ, टेलीफोन, फैक्स, सेल्यूलर फोन, SMS, ई-मेल से बढ़ते हुए अब GPS, GIS, GPRS और थर्ड जेनरेशन तक पहुंच चुके हैं। Wi-Fi (Wirless Fidelity) प्रणाली के जरिये हम इन्टरनेट तक आसानी से पहुंच सकते हैं। ये सुविधाएँ साइवर कैफे में उपलव्य होती हैं।

इस उद्योग को ज्ञान आधारित उद्योग भी कहते हैं, क्योंकि इसमें नित्य नए अनुसंधान और क्रियाशोधों के जरिये इन्हें और भी उपयोगी बना दिया जाता है। इस रहकर की गतिविधियों का केन्द्र बंगलुरू, मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद, पूर्ण, चेन्नई, कोलकाता, कानपुर, लखनऊ, बेलापुर, गुडगाँव, कोच्चि आदि शहरों में है। सूचना प्रौद्योगिकी का आधार सॉफ्टवेयर है। ऐसे 20 सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क भी विभिन्न शहरों में हैं। सॉफ्टवेयर का विकास करने वाले विशेषज्ञों का दल यहाँ 24 घंटे अलग-अलग शिफ्टों में काम करते हैं। पटना के गांधी मैदान स्थित बिस्कोमान भवन और रांची में सामलौग में ऐसे सॉफ्टवेयर पार्क हैं। पूणे पहला Wi-Fi शहर है। बंगलूरू ऐसे उद्योगों का मुख्य केन्द्र है इसलिए इसे सिलिकन नगर भी कहते हैं।

बंगलूरू कर्नाटक राज्य की राजधानी है जो दक्कन पठार पर अवस्थित है। इस शहर की जलवायु सालो भर मृदु एवं नम रहती है। यह शहर धूलयुक्त है और बगीचों से भरपूर है।

इसलिए, इसे 'गार्डन सिटी' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका के कैलीफोर्निया राज्य के शांताक्लारा घाटी में ऐसा ही उद्योग विकसित है। उसी की तर्ज पर बंगलूरू को भी सिलिकॉन वैली पुकारा जाने लगा है। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए पर्याप्त आधारभूत संरचना उपलव्य होने के कारण ही यहाँ BHEL, DRDO, ISRO, IISC, HMT जैसे केन्द्र स्थापित हैं। इसके अलावे गैर सरकारी क्षेत्र की इन्फोसिस, जनरल इलेक्ट्रिक, एक्सेंचर, विप्रो, टी सी एस, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल इत्यादि जैसी कम्पनियाँ भी सूचना प्रौद्योगिक उद्योग का काम कर रही है।

ब्रांडबैंड जैसी सेवाएँ सूचनाओं को तेजी से पहुंचाती हैं । गुगल और याहू जैसे सर्च इंजन से दुनिया भर की जानकारी ढूँढी जा सकती है। इस उद्योग में विंडोज 8 और आई ओ एस 5 जैसी प्रणालियों ने सूचनाओं को और तेजी से पहुंचाने का काम किया है। अब तो छोटे शहरों में सिनेमागृहों में भी सेटेलाईट के माध्यम से Digital फिल्में दिखाई जाती हैं। वेबसाइटों की मदद से रिजल्ट, आवेदन, अन्य जानकारी घर बैठे या साइबर कैफे से प्राप्त की जा सकती है। ट्रेनों के आरक्षण, बैकिंग कार्य, खरीदारी सभी इनके द्वारा की जा सकती है। छतरीनुमा एंटीना का उद्योग भी सूचना प्रौद्योगिकी के कारण ही बढ़ा है।

https://www.evidyarthi.in/